उत्तराखंड नई जलविद्युत परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र से **राज्य के लिये 2123 मेगावाट क्षमता** की 21 नई जलविद्युत परियोजनाओं की अनुमति मांगी थी।

मुख्य बिंदु

- **केंद्रीय ऊर्जा मंत्री** मनोहर लाल खट्टर टिहरी हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स और राज्य में विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं की प्रगति की **समीक्षा के लिये राज्य के दौरे पर हैं।**
- मुख्यमंत्री के अनुसार, वर्तमान में **उत्तराखंड की कुल** जलविद्युत **उत्पादन क्षमता का केवल 40% ही उपयोग किया जा रहा है।**
- विशेषज्ञ समितियों ने अलकनंदा **और** भागीरथी नदियों तथा उनकी सहायक नदियों पर कार्यान्वयन परियोजनाओं की सिफारिश की है।

//

अलकनंदा नदी

- यह गंगा **की प्रमुख सहायक** नदियों में से एक है।
- इसका उद्गम उत्तराखंड के सतोपंथ और भागीरथ ग्लेशियर से होता है
- यह देवप्रयाग में भागीरथी नदी **से मिलती है** जिसके बाद इसे गंगा कहा जाता है।
- इसकी **मुख्य सहायक नदियाँ** मंदाकिनी, नंदाकिनी और पिंडार हैं।

- अलकनंदा प्रणाली **चमोली, टिहरी और पौड़ी ज़िलों के कुछ हिस्सों तक विस्तृत है।**
- [बद्रीनाथ]() का हिंदू तीर्थस्थल और प्राकृतिक झरना तप्त कुंड अलकनंदा नदी के किनारे स्थित है

भागीरथी नदी

- यह उत्तराखंड की एक **अशांत हिमालयी नदी** है और गंगा की दो मुख्य धाराओं में से एक है।
- भागीरथी नदी 3892 मीटर की ऊँचाई पर, **गौमुख में [गंगोत्री ग्लेशियर]() के तल से निकलती है** और 350 किलोमीटर चौड़े गंगा डेल्टा में फैलकर अंततः बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- **भागीरथी और अलकनंदा गढ़वाल में देवप्रयाग में मिलती हैं** तथा उसके बाद **गंगा के नाम से जानी जाती हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-new-hydel-power-projects